an>

Title: Regarding incomplete bridge on river Panchganga at Kolhapur, Maharashtra.

श्री धनंजय महाडीक (कोल्हापुर): अध्यक्ष महोदया, आपने शून्य काल में मुझे अपनी बात बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूँ। …(व्यवधान) महोदया, यह बात कहते हुए मुझे बहुत दुख हो रहा है, बहुत शर्म आ रही है, क्योंकि मैं तीसरी बार यह विÂषय सदन में उठा रहा हूँ। …(व्यवधान) हम सब जानते हैं कि पिछले साल महाराष्ट्र में महाड में बाढ़ की वजह से एक पुल बह गया था। …(व्यवधान) उसमें कई सारे लोगों की मौत हो गई थी। मेरे क्षेत्र कोल्हापुर में एक ब्रिज 138 साल पुराना है। …(व्यवधान) पिछले साल उस पर भी खतरा पैदा हुआ था। …(व्यवधान) वह ब्रिज उस वक्त भी बंद कर दिया गया था। …(व्यवधान) जब मैंने सदन में इसकी आवाज़ उठाई थी तब माननीय गडकरी जी ने इस विÂषय पर एक मीटिंग बुलाई थी, जिसमें माननीय मंत्री श्री महेश शर्मा जी भी मौजूद थे, महाराष्ट्र के भी दो मंत्री मौजूद थे। …(व्यवधान) उस मीटिंग में यह तय हुआ था कि आर्कलॉजिकल डिपार्टमेंट ने जो ऑब्जेक्शन लिया था, वह कोई मायने नहीं रखता है, क्योंकि वहां पर कोई आर्कलॉजिकल साइट अस्तित्व में नहीं है। …(व्यवधान) एक महीने के अंदर-अंदर इस ब्रिज को परमिशन दी जाएगी। …(व्यवधान) ऐसा उस वक्त अधिकारियों ने जवाब दिया था। …(व्यवधान) आज उसको एक साल पूरा हो चुका है। …(व्यवधान) पिछले साल महाड में जो ब्रिज बहा था, गडकरी जी ने उसको एक साल में पूरा कर दिया है, वहां पर उद्घाटन भी कर दिया है। …(व्यवधान) लेकिन कोल्हपुर का ब्रिज जो डेढ़ सौ गांवों को कनैक्ट करता है, अच्छी बारिश होने की वजह से पानी बढ़ गया है, अभी तीन दिन से वह ब्रिज बंद कर दिया गया है। …(व्यवधान) रोज़ 50 हज़ार से ज्यादा लोग उस ब्रिज से आवागमन करते हैं। …(व्यवधान) डेढ़ सौ गांवों की कनैक्टिविटी टूट चुकी है। …(व्यवधान) महोदया, हम सैटेलाइट स्पेसशिप की बात करते हैं। …(व्यवधान) बुलेट ट्रेन की बात करते हैं। …(व्यवधान) लेकिन यह छोटा सा रास्ता, अधिकारियों के एडमेंट बिहेवियर की वजह से रूका पड़ा है। …(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि इसके बारे में मैं 10 बार अधिकारियों से मिला हूँ। …(व्यवधान) मीटिंग में इन्होंने हर बार यह बताया कि यह बिल अमेंडमेंट के लिए कैबिनेट में गया है।…(व्यवधान) क्या एक साल से कैबिनेट मीटिंग नहीं हुई है, यह मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ और सरकार से जानना चाहता हूँ।…(व्यवधान) यह बहुत ही गम्भीर विषय है।…(व्यवधान) अगर अधिकारी काम नहीं करते हैं, लोगों की जान से खिलवाड़ करते हैं, तो इनको कुर्सी खाली करनी चाहिए।…(व्यवधान) आप इस विषय में गंभीरता से ध्यान दें।…(व्यवधान) ऐसा मैं आपसे अनुरोध करता हूँ।…(व्यवधान) धन्यवाद।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री धनंजय महाडीक द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।